FACULTY OF LANGUAGES

SYLLABUS
of
M.A. HINDI (Semester:III-IV)

(Under Continuous Evaluation System)

Session: 2022-23

The Heritage Institution

KANYA MAHA VIDYALAYA JALANDHAR (Autonomous)

Masters of Arts (Hindi)

Session 2022-23

Programme Specific outcomes-

PSO-1: भाषा उच्चारण में निपुणता , व्याकरण सम्बन्धी अवधारणा की स्पष्टता |

PSO-2: प्राचीन एवं नवीन हिन्दी कवियों की देन के गहन ज्ञान की प्राप्ति |

PSO-3: हिन्दी के भाषिक और साहित्यिक रूप के साथ साथ उसके प्रयोजनमूलक रूपों – बैंक, रेलवे , समाचार पत्र , रेडियो , टेलीविज़न , मीडिया , अनुवाद की जानकारी एवं रोज़गार के अवसर |

PSO-4: भारतीय और पाश्चात्य काव्यशास्त्र की अवधारणा, विभिन्न समीक्षा पद्धतियों का सम्यक ज्ञान | रस, शब्द शक्तियों और विविध वादों का गहन अध्ययन |

PSO-5: भाषा और भाषा विज्ञान, समाज विज्ञान , मनोभाषा विज्ञान , शैलीविज्ञान , रूपांतरण प्रजनक , व्यवस्था परक , प्रकार्य परक व्याकरण की समस्त जानकारी एवं भाषा वैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य में साहित्य का विश्लेषण करने का सम्पूर्ण ज्ञान |

PSO-6: देवनागरी लिपि का ज्ञान | समास, सन्धि, उपसर्ग , प्रत्यय , लिंग, वचन, कारक की व्यावहारिक जानकारी |

PSO-7: कोश निर्माण के सिद्धांत , प्रक्रिया , विभिन्न कोश ग्रन्थ और विभिन्न कोशकारों का सामान्य परिचय एवं व्यावहारिक ज्ञान में दक्षता |

PSO-8: हिन्दी की प्रयोजन मूलकता को सिद्ध करती पत्रकारिता के क्षेत्र की सैद्धांतिक और व्यावहारिक जानकारी , सम्पादन , प्रूफ पठन, समाचार लेखन व वाचन , उद्घोषणा : लेखन व वाचन, संवाद , विज्ञापन, फीचर , रिपोर्ताज , पटकथा , डाक्यूमेंट्री , नाटक लेखन का व्यावहारिक ज्ञान |

PSO-9: राजभाषा शिक्षण के अंतर्गत राजभाषा के अधिनियम , राष्ट्रपति के आदेशों संवैधानिक नियमों की सम्पूर्ण जानकारी और कार्यालयी टिप्पण , प्रारूपण , संक्षेपण , विस्तारण, पत्र लेखन एवं पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिद्दांत की विस्तृत जानकारी |

SCHEME AND CURRICULUM OF EXAMINATIONS OF TWO YEAR DEGREE PROGRAMME

Masters of Arts (Hindi)

Semester III

Session 2022-23

Semester III								
Course Code	**Course Name**	**Course Type**	**Marks**					**Examination time (in Hours)**
			Total	**Ext.**		**CA**		
				L	**P**			
MHIL-3261	आधुनिक हिंदी काव्य : द्विवेदीयुगीन एवं छायावाद	C	80	64	-	16		3
MHIL -3262	आधुनिक गद्य साहित्य	C	80	64	-	16		3
MHIL -3263	भाषा विज्ञान	C	80	64	-	16		3
MHIL - 3264	पत्रकारिता प्रशिक्षण	C	80	64	-	16		3
MHIL -3265(Opt----) (विद्यार्थी आगे लिखित विकल्पों में से कोई एक विकल्प चुन सकता है)	गुरु नानक देव जी (Opt-i) सूरदास (Opt-ii) हिंदी कहानी (Opt-iii)	O	80	64	-	16		3
Total			**400**					

C-Compulsory
O-Optional

SCHEME AND CURRICULUM OF EXAMINATIONS OF

TWO YEAR DEGREE PROGRAMME

Masters of Arts (Hindi)

Semester IV

Session 2022-23

Semester IV								
Course Code	**Course Name**	**Course Type**	**Marks**				**Examination time (in Hours)**
			Total	**Ext.**		**CA**	
				L	**P**		
MHIL -4261	आधुनिक हिंदी काव्य : छायावादोत्तर काल	C	80	64	-	16	3
MHIL -4262	आधुनिक गद्य साहित्य	C	80	64	-	16	3
MHIL -4263	हिंदी भाषा और देवनागरी लिपि	C	80	64	-	16	3
MHIL - 4264	राजभाषा प्रशिक्षण	C	80	64	-	16	3
MHIL -4265(Opt-----) (विद्यार्थी अग्रलिखित विकल्पों में से कोई एक विकल्प चुन सकता है)	उत्तर काव्यधारा के सन्दर्भ में गुरु तेग बहादुर जी की वाणी का विशेष अध्ययन (Opt-i) हिंदी उपन्यास (Opt-ii) निबंधकार आचार्य रामचंद्र शुक्ल (Opt-iii)	O	80	64	-	16	3
Total			**400**				

C-Compulsory
O-Optional

Masters of Arts (HINDI) (Semester-III)

Session 2022-23

Course Code: MHIL - 3261

आधुनिक हिंदी काव्य : द्विवेदीयुगीन एवं छायावाद

Course Outcomes:

Co-1: इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थी आधुनिक हिंदी कविता के प्रस्थान बिंदु द्विवेदीयुगीन काव्य और तदुपरांत खड़ी बोली हिंदी कविता के स्वर्णयुग छायावादी काव्य को समझने के साथ हिंदी कविता के विकास में इन दोनों काव्यधाराओं के योगदान से अवगत होंगे |

Co-2: इस पाठ्यक्रम में द्विवेदी युग के प्रतिनिधि कवि मैथिलीशरण गुप्त की सर्वश्रेष्ठ रचना 'साकेत' तथा छायावादी युग के प्रमुख कवि श्री जयशंकर प्रसाद की कृति 'कामायनी' तथा सूर्यकांत त्रिपाठी निराला कि कविताएं वस्तुतः समकालीन परिस्थितियों के समानांतर भारतीय चेतना के क्रमिक विकास कि उत्कृष्ट प्रस्तुति हैं|

Co-3: इससे विद्यार्थी एक समय की सामाजिक परिस्थितियों की सापेक्षता में बदल रहे जीवन मूल्यों के साथ मानव-चेतना के संघर्ष को सहज ही समझ सकेंगे |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-III)

Session 2022 -23

Course Code: MHIL - 3261

आधुनिक हिंदी काव्य : द्विवेदीयुगीन एवं छायावाद

Total: 80
CA: 16
TH : 64

समय : तीन घंटे

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश

यह प्रश्नपत्र पांच भागों में विभाजित है | प्रथम भाग अनिवार्य है जो सप्रसंग व्याख्या से सम्बन्धित है | इसमें चार-चार अंकों के छ: प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से चार का उत्तर देना अनिवार्य होगा |प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों/ दो पृष्ठों में देना होगा | भाग दो, तीन, चार, पांच में समानुपात से क्रमशः इकाई दो,तीन,चार में से 12-12 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना होगा |प्रत्येक उत्तर 1000 शब्दों/पांच पृष्ठों में देना होगा|

इकाई –एक

व्याख्या भाग :
निर्धारित कवि निर्धारित पाठ्य पुस्तकें :

(क) मैथिलीशरण गुप्त : साकेत, साहित्य सदन, झाँसी,साकेत(नवम सर्ग) पृ.5- पृ.35**- तक**
(ख) जयशंकर प्रसाद : कामायनी, भारती भंडार, इलाहाबाद, 1971 (श्रद्धा,लज्जा ओर आनंद सर्ग)
(ग) सूर्यकांत त्रिपाठी निराला: राग विराग, सम्पादक रामविलास शर्मा, लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद,1974 (राम की शक्तिपूजा,सरोज स्मृति, जागो फिर एक बार 1-2, जूही की कली, बांधो न नाव इस ठांव, बंधु, कुकुरमुत्ता)

इकाई –दो

मैथिलीशरण गुप्त :

-नवजागरण ओर द्विवेदीयुग के प्रतिनिधि कवि गुप्त
-साकेत का महाकाव्यत्व
-नवम सर्ग का काव्य-वैभव
- राष्ट्रीय चेतना के कवि मैथिलीशरणगुप्त
-मैथिलीशरणगुप्त का जीवन-दर्शन
-साकेत: सांस्कृतिक आधार और युगीन दर्शन

-उर्मिला का चरित्र चित्रण

इकाई –तीन

जयशंकर प्रसाद :
-छायावादी काव्यान्दोलन और जयशंकर प्रसाद
-कामायनी कि अंतर्वस्तु
-कामायनी :महाकाव्यत्व
-कामायनी: दार्शनिक पक्ष
-कामायनी: इतिहास और कल्पना
-कामायनी की रूपक योजना
-कामायनी की भाषा-शैली

इकाई –चार

सूर्यकांत त्रिपाठी निराला:

-निराला की काव्य विकास यात्रा के विभिन्न चरण
-निराला का जीवन दर्शन
-छायावादी कवि निराला
-प्रगतिवादी कवि निराला
-प्रयोगधर्मी कवि निराला
-निराला का काव्य-सौन्दर्य
-राम की शक्ति पूजा:कथ्य और शिल्प
-सरोज-स्मृति: कथ्य और शिल्प

सहायक पुस्तकें :

1. हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि, डॉ. श्रीनिवास शर्मा, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली |
2. हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि,डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मंदिर,आगरा |
3. साकेत एक अध्ययन,नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस,दिल्ली|
4. मैथिलीशरण गुप्त: एक मूल्यांकन, राजीव सक्सेना, हिंदी बुक सेन्टर,नई दिल्ली|
5. मैथिलीशरण गुप्त: कवि और भारतीय संकृति के आख्याता, उमाकांत, नेशनल पब्लिशिंग हाउस,दिल्ली|
6. साकेत सुधा,रामस्वरूप दुबे,नारायण बुक डिपो,कानपुर |
7. प्रिय प्रवास औरसाकेत की आदर्शगत तुलना,श्री वल्लभ शर्मा,मंगल प्रकाशन, जयपुर|
8. कामायनी में काव्य,संस्कृति और दर्शन,डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना,विनोद पुस्तक मन्दिर,आगरा|
9. मिथक ओर स्वरूप :कामायनी कि मनस्सौन्दर्या सामाजिक भूमिका, रमेश कुंतल मेघ,ग्रंथम कानपुर |
10. कामायनी:मूल्यांकन ओर मूल्यांकन,इन्द्रनाथ मदान,नीलाभ प्रकाशन,इलाहाबाद|
11. कामायनी:एक पुनर्विचार,गजानन माधव मुक्तिबोध,राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली|
12. कामायनी के अध्ययन की समस्याएं,डॉ. नगेन्द्र,नेशनल पब्लिशिंग हाउस,नई दिल्ली |
13. निराला की साहित्य साधना,रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली|
14. क्रांतिकारी कवि निराला,बच्चन सिंह,हिंदी प्रचारक,वाराणसी
15 .काव्य-पुरुष निराला,जयनाथ नलिन,आलोक प्रकाशन,कुरुक्षेत्र|

Masters of Arts (HINDI) (Semester-III)
Session 2022 -23

Course Code: MHIL-3262

आधुनिक गद्य साहित्य

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: आधुनिक गद्य साहित्य हिन्दी के श्रेष्ठ साहित्य का परिचायक प्रश्नपत्र है जिसमें महादेवी वर्मा कृत 'अतीत के चलचित्र' संस्मरण साहित्य के माध्यम से विद्यार्थी तत्कालीन स्त्री की स्थिति का मूल्यांकन करने में समर्थ होंगे और संस्मरण साहित्य विधा को जानने में सक्षम होंगे|

CO-2: राजेन्द्र यादव द्वारा सम्पादित कहानी संग्रह 'एक दुनियां समानांतर' में संकलित कहानियों के अध्ययन से विद्यार्थी आधुनिक हिंदी के उच्चकोटि के कथाकारों के साहित्यिक अवदान एवं कहानियों में वर्णित समस्याओं से परिचित होंगे|

CO-3: आधुनिक हिंदी साहित्य का उच्चकोटि का उपन्यास 'गोदान' प्रेमचंद की ऐसी कृति है जिसके माध्यम से विद्यार्थी तत्कालीन समाज की विसंगतियों, समस्याओं से जूझते पात्रों की अलक्षित सामर्थ्य एवं शक्ति से परिचित होंगे| इस प्रश्नपत्र के माध्यम से विद्यार्थियों के लिए शोध के नवीन द्वार खुलते हैं|

Masters of Arts (HINDI) (Semester-III)

Session 2022-23

Course Code: MHIL-3262

आधुनिक गद्य साहित्य

Total: 80
CA: 16
समय : तीन घंटे TH : 64

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश :

यह प्रश्न पत्र पांच भागों में विभाजित है | प्रथम भाग अनिवार्य है | जो सप्रसंग व्याख्या से सम्बन्धित है | इसमें चार- चार अंकों के सप्रसंग व्याख्या के छ: प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें चार का उत्तर देना अनिवार्य होगा | प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों/दो पृष्ठों में देना होगा | भाग दो , तीन, चार , पांच में समानुपात से क्रमश: इकाई एक, दो, तीन, चार में से 12-12 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा | प्रत्येक उत्तर 1000 शब्दों / पांच पृष्ठों में देना होगा |

इकाई –एक

व्याख्या:

व्याख्या एवं विवेचन के लिए निर्धारित कृतियाँ –
1.गोदान –प्रेमचंद , हंस प्रकाशन , इलाहबाद ।
व्याख्या के लिए निर्धारित पृष्ठ – पृ. 1 से 150 तक
2.एक दुनिया समानांतर – राजेन्द्र यादव , अक्षर प्रकाशन , दिल्ली ।
निर्धारित कहानियां – बादलों के घेरे , खोई हुई दिशाएं , चीफ की दावत , यही सच है , एक और जिंदगी, टूटना, नन्हों , भोलाराम का जीव
3.अतीत के चलचित्र , महादेवी वर्मा , राधाकृष्ण प्रकाशन , केवल पहले आठ संस्मरण (रामा, भाभी, बिन्दा सबिया, बिट्टो, बालिका मां, घीसा, अभागी स्त्री)

इकाई –दो

गोदान :
विधागत वैशिष्ट्य , विकास यात्रा , हिंदी उपन्यास और प्रेमचंद , गोदान : कृषक जीवन की त्रासदी , आदर्श –यथार्थ , जीवन दर्शन , प्रगतिशील विचारधारा , महाकाव्यात्मक उपन्यास, कथा शिल्प, पात्र, भाषा एवं समस्याएं।

इकाई –तीन

एक दुनिया समानांतर :
हिंदी कहानी : उद्भव और विकास , कहानी के प्रमुख आन्दोलन , समकालीन कहानी की विशेषताएं , किसी निर्धारित कहानी के कथ्य सम्बन्धी प्रश्न , किसी निर्धारित कहानी के शिल्प सम्बन्धी प्रश्न , संग्रह में निर्धारित कहानियों की सामान्य विशेषताएं ।

इकाई –चार

अतीत के चलचित्र :

रेखाचित्र :स्वरूप ,तत्त्व एवं प्रकार ,अतीत के चलचित्र के आधार पर महादेवी के गद्यकार रूप का विवेचन ,किसी एक रेखाचित्र के कथ्य पर केन्द्रित प्रश्न , किसी एक रेखाचित्र के शिल्प पर केन्द्रित प्रश्न ,रेखाचित्र के तत्त्वों के आधार पर 'अतीत के चलचित्र' का समग्र मूल्यांकन|

सहायक पुस्तकें:

1. डॉ.लाल चंद गुप्त 'मंगल' , अस्तित्वाद और नयी कहानी, शोध प्रबंध, दिल्ली।
2. डॉ. देवी शंकर अवस्थी, नई कहानी: संदर्भ और प्रकृति, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3. डॉ. मधु संधु, कहानीकार निर्मल वर्मा, दिनमान, दिल्ली।
4. हिंदी लेखक कोश, डॉ. सुधा जितेन्द्र एवं अन्य, गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर।
5. प्रेमचंद: कलम का सिपाही, हंस प्रकाशन, इलाहाबाद।
6. प्रेमचंद: हमारे समकालीन, सं.रमेशकुन्तल मेघ और ओम अवस्थी, गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर।
7. महादेवी का गद्य, सूर्यप्रसाद दीक्षित, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. महादेवी और उनकी गद्य रचनाएं, माधवी राजगोपाल, रंजन प्रकाशन, आगरा।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-III)

Session 2022 -23

Course Code: MHIL-3263

भाषा विज्ञान

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: इस प्रश्नपत्र के माध्यम से विद्यार्थी हिंदी का संरचनात्मक स्तर पर ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं।

CO-2: भाषा के सही उच्चारण का कौशल प्राप्त कर सकते हैं|

CO-3: समय के बदलते परिवेश के अनुसार भाषा के रूप, वाक्य और अर्थ परिवर्तन की जानकारी हासिल कर सकते हैं|

CO-4: विभिन्न भाषाओं के व्याकरणिक स्तर पर तुलनात्मक अध्ययन की प्रवृत्ति पा सकते हैं|

CO-5: भाषा विज्ञान के विभिन्न व्याकरणों एवं विज्ञानों का सम्यक् अध्ययन करने में सक्षम हो सकते हैं।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-III)

Session 2022-23

Course Code: MHIL - 3263

भाषा विज्ञान

Total: 80
CA: 16
TH : 64

समय : तीन घंटे

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश :

यह प्रश्न पत्र पांच भागों में विभाजित है। प्रथम भाग अनिवार्य है इसमें इकाई एक में से चार–चार अंकों के छ : प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से चार प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों/दो पृष्ठों में देना होगा। भाग दो , तीन, चार , पांच में समानुपात से क्रमश: इकाई एक , दो, तीन, चार में से 12-12 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। प्रत्येक उत्तर 1000 शब्दों / पांच पृष्ठों में देना होगा ।

इकाई –एक

अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र –

भाषा : परिभाषा और स्वरूपगत विशेषताएं, भाषा के विभिन्न रूप : विभाषा, मातृभाषा, साहित्यिक/ सर्जनात्मक भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, सम्पर्क भाषा, मानक भाषा । भाषा का आवृत्तिमूलक एवं पारिवारिक वर्गीकरण

इकाई –दो

अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र –

भाषा विज्ञान : परिभाषा एवं स्वरूप, भाषा विज्ञान के अंग, भाषाविज्ञान का विभिन्न पद्धतियों/शास्त्रों के साथ सम्बन्ध: वर्णनात्मक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक

ध्वनि विज्ञान : ध्वनि नियम (ग्रिम निरूपित) , ध्वनि परिवर्तन के कारण और दिशाएं ।

इकाई-तीन

अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र –

रूपविज्ञान : रूप और संरूप : सामान्य परिचय, परिभाषा व पारस्परिक अंतर, रूप परिवर्तन के कारण और दिशाएं

वाक्य विज्ञान : वाक्य का स्वरूप और लक्षण, वाक्य के निकटस्थ अवयव, वाक्य के भेद : रचना, आकृति व अर्थ के आधार पर ।

इकाई –चार

अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र –
अर्थ विज्ञान : अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएं
आधुनिक भाषा विज्ञान : प्रमुख प्रवृत्तियां, रूपांतरण प्रजनक व्याकरण, व्यवस्थापरक व्याकरण, शैली विज्ञान, समाज भाषा विज्ञान ।

सहायक पुस्तकें:

1. भाषाविज्ञान की भूमिका, डॉ. देवेन्द्रनाथ शर्मा,राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
2. भाषा विज्ञान के सिद्धांत और हिंदी भाषा, द्वारिका प्रसाद सक्सेना।
3. भाषा विज्ञान कोश, भोलानाथ तिवारी, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
4. भाषा विज्ञान, डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब महल प्रकाशन, इलाहाबाद ।
5. भाषा विज्ञान, कर्ण सिंह, साहित्य भंडार, मेरठ ।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-III)

Session 2022-23

Course Code: MHIL - 3264

पत्रकारिता – प्रशिक्षण

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: विद्यार्थी रेडियो , टी.वी, समाचार पत्र हिन्दी विशेषग्य ,प्रोग्राम प्रोड्यूसर , संपादक, संवाददाता , अनुवादक , प्रूफ रीडर , के रूप में रोज़गार प्राप्त कर सकते हैं।

CO-2: विद्यार्थी मीडिया हेतु विज्ञापन,पटकथा,संवाद एवं गीत लेखन के व्यवसाय को भी विकल्प के रूप में अपना सकता है।

CO-3: विद्यार्थी स्वतंत्र संवाददाता एवं स्तम्भ लेखक के रूप में अपना कैरियर बना सकते हैं।

CO-4: विद्यार्थी बतौर समीक्षक अपनी पहचान बनाने में योग्य होंगें।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-III)

Session 2022- 23

Course Code: MHIL -3264

पत्रकारिता – प्रशिक्षण

Total: 80
CA: 16
समय: तीन घंटे TH: 64

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश:

यह प्रश्न पत्र पांच भागों में विभाजित है| प्रथम भाग अनिवार्य है| इसमें चार-चार अंकों के छ : प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से चार प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा| प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों/दो पृष्ठों में देना होगा| भाग एक, दो , तीन, चार , पांच में समानुपात से क्रमश: इकाई एक, दो, तीन, चार में से 12-12 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा| प्रत्येक उत्तर 1000 शब्दों /पांच पृष्ठों में देना होगा|

इकाई –एक

अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र –

पत्रकारिता का स्वरूप और प्रमुख प्रकार, हिंदी पत्रकारिता का उद्भव और विकास, समाचार पत्रकारिता के मूल तत्त्व, समाचार संकलन तथा लेखन के प्रमुख आयाम ।सम्पादन कला के सामान्य सिद्धांत: शीर्षकीकरण, पृष्ठ विन्यास, आमुख और समाचार पत्रों की प्रस्तुत प्रक्रिया|

इकाई –दो

अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र-

समाचार पत्रों के विभिन्न स्तम्भों की योजना, समाचार के विभिन्न स्रोत, संवाददाता की अर्हता, श्रेणी एवं कार्यपद्धति। पत्रकारिता से सम्बन्धित लेखन: सम्पादकीय, फीचर, रिपोर्ताज, साक्षात्कार, खोजी पत्रकारिता, अनुवर्तन (फॉलोअप) की प्रविधि

इकाई –तीन

अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र-

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की पत्रकारिता : रेडियो, टी वी, वीडियो, केबल, मल्टीमीडिया, और इंटरनेट की पत्रकारिता । प्रिंट पत्रकारिता और मुद्रण कला, प्रूफ शोधन, ले आउट तथा पृष्ठ सज्जा। पत्रकारिता का प्रबंधन : प्रशासनिक व्यवस्था, बिक्री तथा वितरण व्यवस्था ।

इकाई -चार

अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र-

मुक्त प्रेस की अवधारणा, लोक सम्पर्क तथा विज्ञापन, प्रसार भारती तथा सूचना प्रौद्योगिकी, प्रजातान्त्रिक व्यवस्था में चतुर्थ स्तम्भ के रूप में पत्रकारिता का दायित्व

सहायक पुस्तकें

1. कृष्ण बिहारी मिश्र, हिन्दी पत्रकारिता, संपा. लक्ष्मीचन्द्र जैन, लोकोदय ग्रन्थ भाषा, दिल्ली।
2. राधेश्याम शर्मा, विकास पत्रकारिता।
3. श्याम सुंदर शर्मा, समाचार पत्र, मुद्रण और साजसज्जा।
4. सविता चड्ढा, नई पत्रकारिता और समाचार लेखन।
5. हरिमोहन, समाचार, फीचर लेखन एवं सम्पादन कला।
6. शिवकुमार दुबे, हिंदी पत्रकारिता: इतिहास और स्वरूप।
7. अर्जुन तिवारी, आधुनिक पत्रकारिता, वाराणसी विश्वविद्यालय।
8. रामचन्द्र तिवारी, सम्पादन के सिद्धांत, आलेख प्रकाशन, दिल्ली।
9. रमेश चन्द्र त्रिपाठी, पत्रकारिता के सिद्धांत।
10. हरिमोहन, रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता।
11. संपा. के.सी. नारायण, सम्पादन कला।
12. हरिमोहन, सम्पादन कला एवं प्रूफ पठन।
13. डॉ. कृष्ण कुमार रत्तू, भारतीय प्रसारण माध्यम।
14. टी.डी. एस. आलोक, इलैक्ट्रॉनिक मीडिया।
15. हर्षदेव, उत्तर आधुनिक मीडिया तकनीक।
16. संजीव भानावत, प्रेस कानून और पत्रकारिता।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-III)

Session 2022 - 23

Course Code: MHIL - 3265

गुरु नानक देव जी

विकल्प – एक

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: इस प्रश्न - पत्र के माध्यम से विद्यार्थी सिक्खों के प्रथम गुरु के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं ।

CO-2: गुरु नानक जी की वाणी के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

CO-3: गुरु नानक जी की वाणी के माध्यम से उनके विचारों और जीवन में उनके महत्व के बारे में जानकारी हासिल कर सकते है।

CO-4: गुरु नानक जी की वाणी के माध्यम से गुरुमुखी लिपि में रचित हिंदी साहित्य के प्रति जागरूक होगें।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-III)

Session 2022 - 23
Course Code: MHIL - 3265

गुरु नानक देव जी

विकल्प – एक

Total: 80
CA: 16

समय: तीन घंटे
TH: 64

परीक्षकके लिए आवश्यक निर्देश :

यह प्रश्न पत्र पांच भागों में विभाजित है | प्रथम भाग अनिवार्य है जिसमें चार- चार अंकों के सप्रसंग व्याख्या से सम्बन्धित छ: प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से चार का उत्तर देना अनिवार्य होगा | प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों/दो पृष्ठों में देना होगा | भाग दो , तीन, चार , पांच में समानुपात से क्रमश: इकाई दो, तीन, चार में से 12-12 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना होगा | प्रत्येक उत्तर 1000 शब्दों /पांच पृष्ठों में देना होगा |

व्याख्या एवं अध्ययन के लिए निर्धारित कृत्ति :जपुजी साहिब, शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी, अमृतसर ।

इकाई –एक

व्याख्या हेतु निर्धारित कृत्ति – जपुजी साहिब

इकाई –दो

गुरु नानक देव: युग और व्यक्तित्व, जपुजी साहिब का सामान्य परिचय, गुरु नानक देव जी की वाणी का वैशिष्ट्य

इकाई –तीन

गुरु नानक देव जी का सामाजिक चिंतन, गुरु नानक देव जी की भक्ति – भावना, गुरु नानक देव जी की वाणी में दार्शनिकता

इकाई –चार

गुरु नानक देव जी के काव्य में भारतीय संस्कृति के तत्व, जपुजी साहिब की भाषा- शैली एवं काव्य सौष्ठव, निर्गुण भक्त कवियों में गुरु नानक देव जी का स्थान

Masters of Arts (HINDI) (Semester-III)
Session 2022-23
Course Code: MHIL - 3265

सूरदास

विकल्प – दो

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: सूरदास विरचित कृष्ण लीला के महत्वपूर्ण प्रसंगों पर आधारित सरस एवं भक्तिपूर्ण पदों के माध्यम से भक्ति के स्वरूप और साहित्य की सरसता को आत्मसात करने के योग्य होंगे ।

CO-2: मध्ययुगीन कृष्ण भक्ति सम्प्रदाय में सूरदास की भक्ति भावना और उसके आधार में निहित दार्शनिक भूमिका की समझने में सक्षम होंगे|

CO-3: सूरकाव्य में निहित संगीत, लय और गीति तत्व की विशेषता को आत्मसात करने के साथ – साथ विद्यार्थी भाषा के सौन्दर्य को समृद्ध बनाने वाले उपकरण – रस, छंद, अलंकार इत्यादि के व्यवहारिक उपयोग और सौन्दर्य को समझने में योग्य होंगे ।

CO-4: सूरकाव्य के लीला तत्व और कूट पदों के ज्ञान एवं रहस्य से परिचय इस सन्दर्भ में शोध की सम्भावनाओं के प्रति विद्यार्थिओं की रूचि प्रोत्साहित होगी ।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-III)

Session 2022 - 23
Course Code: MHIL -3265

सूरदास

विकल्प – दो

Total: 80
CA: 16
TH : 64

समय : तीन घंटे

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश:

यह प्रश्न पत्र पांच भागों में विभाजित है। प्रथम भाग अनिवार्य है जो सप्रसंग व्याख्या से सम्बन्धित है। इसमें चार-चार अंकों के छ: प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें चार का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों/दो पृष्ठों में देना होगा। भाग दो , तीन, चार , पांच में समानुपात से क्रमश: इकाई दो, तीन, चार में से 12-12 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। प्रत्येक उत्तर 1000 शब्दों /पांच पृष्ठों में देना होगा।

व्याख्या एवं अध्ययन के लिए निर्धारित पुस्तक -

सूरसागर, सम्पादक धीरेन्द्र वर्मा, साहित्य भवन प्रा० लि० इलाहाबाद ।

इकाई –एक

व्याख्या हेतु निर्धारित पद –
विनय भक्ति – 1 से 10 तथा 17 से 24 =18 पद
गोकुल लीला – 1 से 35 =35 पद
वृन्दावन लीला – 3 से 18, 38 से 53, 145 से 155 =43 पद
उद्धव सन्देश – 116 से 159 =44 पद

इकाई –दो

- मध्ययुगीन भक्ति आन्दोलन तथा कृष्ण भक्ति
- मध्ययुगीन कृष्ण भक्ति : सम्प्रदाय एवं सिद्धांत
- कृष्ण भक्ति काव्य : विशेषताएं तथा उपलब्धियां
- सूरदास : व्यक्तित्व एवं कृत्तित्व
- सूरकाव्य में लोक संस्कृति
- सूरकाव्य में मनोविज्ञान

इकाई –तीन

- कृष्ण भक्ति काव्य में सूरदास का स्थान
- सूरकाव्य में पुष्टिमार्गीय भक्ति

- सूरकाव्य में भक्ति साधना के अन्य रूप – दास्य, संख्य, प्रेमा आदि
- सूरकाव्य में वात्सल्य वर्णन
- सूरकाव्य में दार्शनिक पक्ष
- सूरकाव्य में निर्गुण – सगुण द्वंद्व

इकाई –चार

- सूरकाव्य में लीला तत्व
- सूरकाव्य में विभिन्न रसों की सृष्टि
- सूरकाव्य में बिम्ब, प्रतीक तथा मिथक
- सूर की काव्य भाषा: शब्द सम्पदा, पद रचना, अलंकार, छंद आदि ।
- सूरकाव्य में गीति तत्व
- सूरकाव्य के कूट पद

सहायक पुस्तकें :

1. कमला अत्रिय, आधुनिक मनोविज्ञान और सूरकाव्य, विभू प्रकाशन, साहिबाबाद ।
2. रमाशंकर तिवारी, सूर का श्रृंगार वर्णन, अनुसंधान प्रकाशन, कानपुर ।
3. आद्या प्रसाद त्रिपाठी, सूर साहित्य में लोक – संस्कृति, हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग ।
4. एन.जी. द्विवेदी, हिन्दी कृष्ण काव्य का आलोचनात्मक इतिहास, सूर्य प्रकाशन, दिल्ली ।
5. हज़ारी प्रसाद द्विवेदी, सूर साहित्य, राजकमल प्रकाशम, नई दिल्ली ।
6. प्रभुदयाल मित्तल, सूरदास, महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद ।
7. प्रभुदयाल मित्तल, सूरसर्वस्व, राजपाल एंड संज, दिल्ली ।
8. ब्रजेश्वर वर्मा, सूरदास, महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद ।
9. रामनरेश वर्मा, सगुण भक्ति काव्य की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी ।
10. मुंशीराम शर्मा, सूरदास का काव्य वैभव ग्रंथम, कानपुर ।
11. हरबंस लाल शर्मा, सूर और उनका साहित्य, भारत प्रकाशन मंदिर, अलीगढ़ ।
12. वेदप्रकाश शास्त्री, सूर की भक्ति भावना, सन्मार्ग प्रकाशन, दिल्ली ।
13. शारदा श्रीवास्तव, सूर साहित्य में अलंकार विधान, बिहार ग्रन्थ कुटीर, पटना ।
14. केशव प्रसाद सिंह, सूर संदर्भ और दृष्टि, संजय बुक सेंटर, वाराणसी ।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-III)

Session 2022- 23

Course Code: MHIL -3265

हिन्दी कहानी

विकल्प – तीन

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: कहानी साहित्य को आत्मसात करने का सर्वश्रेष्ठ माध्यम है | इस प्रश्नपत्र में विद्यार्थी – वर्ग को कहानी के स्वरूप,विकास यात्रा, कहानी के आन्दोलनों एवं समकालीन कहानी साहित्य की विशेषताओं का विस्तृत एवं गहन ज्ञान प्राप्त होगा |

CO-2: भीष्म साहनी की कहानियों के परिप्रेक्ष्य में विद्यार्थियों के समक्ष पंजाब की तत्कालीन स्थिति, विभाजन की त्रासदी से उत्पन्न संत्रास, विदेशी वातावरण में अपनी मिट्टी की महक के दर्शन होंगे |

CO-3: मृदुला गर्ग की कहानियों के माध्यम से महानगरीय जीवन की विसंगतियों से जूझते मनुष्य से साक्षात्कार कर विद्यार्थी उनकी समस्याओं से अवगत होंगे |

CO-4: मन्नू भंडारी की कहानियों के द्वारा विद्यार्थी समकालीन संदर्भ में स्त्री की स्थिति, आधुनिक युग की समस्याओं से दो - चार होती, जूझती नारी एवं स्त्री अस्मिता से जुड़े प्रश्नों का साक्षात्कार करेंगे |

CO-5:समग्रत: प्रश्नपत्र विद्यार्थी वर्ग के लिए आगामी शोध के लिए ज़मीन तैयार करता है |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-III)

Session 2022-23

Course Code: MHIL-3265

हिंदी कहानी

विकल्प–तीन

Total: 80
CA: 16
समय : तीन घंटे TH : 64

परीक्षकके लिए आवश्यक निर्देश:

यह प्रश्न पत्र पांच भागों में विभाजित है | प्रथम भाग अनिवार्य है जिसमें चार- चार अंकों के सप्रसंग व्याख्या से सम्बन्धित छ : प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से चार का उत्तर देना अनिवार्य होगा | प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों/दो पृष्ठों में देना होगा | भाग दो , तीन, चार , पांच में समानुपात से क्रमश : इकाई दो, तीन, चार में से 12-12 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना होगा | प्रत्येक उत्तर 1000 शब्दों /पांच पृष्ठों में देना होगा |

इकाई –एक

व्याख्या एवं अध्ययन के लिए निर्धारित पुस्तक –

प्रतिनिधि कहानियां –भीष्म साहनी
प्रतिनिधि कहानियां –मृदुला गर्ग
मेरी प्रिय कहानियां –मन्नू भंडारी

इकाई –दो

. कहानी : स्वरूप, परिभाषा, तत्व एवं प्रकार
. कहानीकार भीष्म साहनी : सामान्य परिचय
. भीष्म साहनी की कहानियों का कथ्य एवं मूल संबंध
. भीष्म साहनी की कहानियों के नारी पात्र
. भीष्म साहनी की कहानियों का शिल्प एवं भाषा
. निर्धारित संग्रह की किसी एक कहानी पर कथ्य सम्बन्धी प्रशन

इकाई –तीन

. हिंदी कहानी की विकास यात्रा
. कहानीकार मृदुला गर्ग : सामान्य परिचय
. मृदुला गर्ग की कहानियों में सामाजिक संचेतना
. मृदुला गर्ग की कहानियों में मनोविज्ञान

. मृदुला गर्ग की कहानियों का शिल्प एवं भाषा
. संग्रह की किसी एक कहानी पर कथ्य सम्बन्धी प्रश्न

इकाई –चार

. हिंदी कहानी के विभिन्न आन्दोलन
. समकालीन कहानी की विशेषताएं
. कहानीकार मन्नू भंडारी :सामान्य परिचय
. मन्नू भंडारी की कहानियां: अस्तित्ववादी चेतना
. मन्नू भंडारी की कहानियां: मनोविज्ञान और बदलता समाज
. मन्नू भंडारी की कहानियां : शिल्प और भाषा
. निर्धारित संग्रह की किसी एक कहानी पर कथ्य सम्बन्धी प्रश्न

अनुशंसित पुस्तकेंÑ

1. हिंदी कहानी : उद्भव और विकास, सुरेश सिन्हा, अशोक प्रकाशन, दिल्ली।
2. हिंदी कहानी : पहचान और परख, इन्द्रनाथ मदान (संपा.) लिपि प्रकाशन, दिल्ली।
3. कहानी: स्वरूप और संवेदना, राजेन्द्र यादव, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
4. नयी कहानी की भूमिका, कमलेश्वर, अक्षर प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. कहानी: नई कहानी, नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद।
6. नयी कहानी: संदर्भ और प्रकृति, देवीशंकर अवस्थी, अक्षर प्रकाशन, दिल्ली।
7. समकालीन कहानी की पहचान, नरेन्द्र मोहन, प्रवीण प्रकाशन, दिल्ली।
8. नयी कहानी: विविध प्रयोग, पाण्डेय शशिभूषण शीतांशु, लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद।
9. हिंदी कहानी में प्रगति चेतना, लक्ष्मणदत्त गौतम, कोणार्क, दिल्ली।
10. मिथिलेश रोहतगी, हिन्दी की नयी कहानी का मनोवैज्ञानिक अध्ययन, शलभ प्रकाशन, मेरठ।
11. हिन्दी लेखक कोश, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर।
12. डॉ. शिव प्रसाद सिंह, आधुनिक परिवेश और अस्तित्व, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
13. राम दरश मिश्र, दो दशक की कथा यात्रा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
14. इन्द्रनाथ मदान, हिन्दी कहानी अपनी ज़बानी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
15. सुरेन्द्र चौधरी, हिंदी कहानी की रचना प्रक्रिया
16. परमानंद श्रीवास्तव, हिंदी कहानी की रचना प्रक्रिया, ग्रंथम, कानपुर।
17. बटरोही, कहानी: रचना प्रक्रिया और स्वरूप, अक्षर प्रकाशन, दिल्ली।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-IV)

Session 2022-23

Course Code: MHIL - 4261

आधुनिक हिंदी काव्य : छायावादोत्तर काल

Course Outcomes :

पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरान्त विद्यार्थी निम्नलिखित लाभ प्राप्त कर सकते हैं :

CO-1 : 'आधुनिक हिंदी काव्य:छायावादोत्तर काल' में अज्ञेय,धूमिल एवं मुक्तिबोध के काव्य के माध्यम से छायावाद के बाद की हिंदी कविता में कथ्य एवं भाषा शैली के स्तर पर आए परिवर्तनों को समझेंगे |

CO-2 : स्वातंत्र्योतर युग में जैसे-जैसे पूंजीवाद के फलस्वरूप भौतिकवादी रुझानों ने भारतीय जीवन-शैली, राजनीतिक सामाजिक व्यवस्था,जीवन मूल्यों और सामाजिक सम्बन्धों को प्रभावित किया वैसे-वैसे वे अनुभूतियां किस प्रकार तीव्र और गहन रूप में काव्य में अभिव्यक्त हुई हैं उपर्युक्त कविओं का काव्य इसका प्रमाण है|

CO-3 : इन कवियों की कविताओं के माध्यम से विद्यार्थी साहित्य के सामाजिक सरोकारों को समझने के साथ-साथ कविता के नवीन रूपों को पढ़ेंगे ओर समझेंगे |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-IV)

Session 2022 - 23

Course Code: MHIL - 4261

आधुनिक हिंदी काव्य : छायावादोत्तर काल

Total: 80
CA: 16
समय: तीन घंटे TH: 64

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश:

यह प्रश्न पत्र पांच भागों में विभाजित है | प्रथम भाग अनिवार्य है जो सप्रसंग व्याख्या से सम्बन्धित है | इसमें चार- चार अंकों के छ: प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें चार का उत्तर देना अनिवार्य होगा | प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों/दो पृष्ठों में देना होगा | भाग दो , तीन, चार , पांच में समानुपात से क्रमश: इकाई दो, तीन, चार में से 12-12 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा 1 प्रत्येक उत्तर 1000 शब्दों / पांच पृष्ठों में देना होगा |

इकाई –एक

व्याख्या एवं आलोचना के लिए निर्धारित कवि

(क) स.ही.वात्सायन 'अज्ञेय' सम्पादक विद्या निवास मिश्र, राजपाल एंड संस,दिल्ली 1993(असाध्य वीणा,बावरा अहेरी,शब्द और सत्य,औद्योगिक बस्ती,आंगन के पार,कितनी नावों में कितनी बार, नदी के द्वीप |

(ख) ग.मा. मुक्तिबोध:चाँद का मुंह टेढ़ा है,भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन,दिल्ली,1964अन्धेरे में|

(ग) धूमिल:संसद से सड़क तक (मोची राम, भाषा की एक रात,पटकथा|

इकाई–दो

स.ही.वात्सायन 'अज्ञेय' का सामान्य परिचय

– छायावादोत्तर काव्यान्दोलन और अज्ञेय

- अज्ञेय की जीवन दृष्टि

-प्रयोगवादी कवि अज्ञेय

-अज्ञेय के काव्य की साहित्यिक विशेषताएं

- अज्ञेय की कविता का शिल्प-सौन्दर्य

-असाध्य वीणा: प्रतिपाद्य और शिल्प

इकाई–तीन

ग.मा. मुक्तिबोध

- मुक्तिबोध:कवि और उनकी रचनाएं

- प्रतिबद्ध कवि मुक्तिबोध फेंटेसी

- फेंटेसी का कवि मुक्तिबोध

-'अँधेरे में' कविता का कथ्य और शिल्प

- मुक्तिबोध की कविता का भावजगत और उनका काव्य शिल्प

इकाई –चार

धूमिल

-जनवादी चेतना के कवि धूमिल

-साठोत्तरी हिंदी कविता और धूमिल

-धूमिल की कविता में मानव-मूल्य

-धूमिल की कविता:आज के व्यक्ति का बिम्ब

-धूमिल की कविता:भाषा-शिल्प

सहायक पुस्तकें

1. धूमिल और उसका काव्य संघर्ष,डॉ. ब्रह्मदेव मिश्र,लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद|
2. धूमिल: काव्य-यात्रा,मंजू अग्रवाल,ग्रंथम,कानपुर |
3. समकालीन कविता और धूमिल,डॉ. मंजुल उपाध्याय,अनामिका प्रकाशन,इलाहाबाद|
4. नयी कविता का प्रमुख हस्ताक्षर,डॉ. संतोष कुमार तिवारी,जवाहर पुस्तकालय,मथुरा |
5. अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या,रामस्वरूप चतुर्वेदी,भारतीय ज्ञानपीठ,दिल्ली|
6. अज्ञेय कवि,ओम प्रकाश अवस्थी,ग्रंथम,कानपुर|
7. अज्ञेय, विश्वनाथ प्रसाद तिवारी,नेशनल पब्लिशिंग हाउस,दिल्ली |
8. अज्ञेय की कविता-एक मूल्यांकन चन्द्रकांत बादीवडेकर,विनोद पुस्तक मंदिर,आगरा|
9. मुक्तिबोध का साहित्य विवेक और उनकी कविता,लल्लन राय,मंथन पब्लिकेशन,रोहतक|
10. मुक्तिबोध:प्रतिबद्ध कला के प्रतीक,चंचल चौहान,पांडुलिपि प्रकाशन,दिल्ली|
11. गजानन माधव मुक्तिबोध:जीवन और काव्य,महेश भटनागर,राजेश प्रकाश,दिल्ली |
12. मुक्तिबोध:विचारक कवि और कथाकार,सुरेन्द्र प्रताप,नेशनल पब्लिशिंग हाउस,दिल्ली |
13. मुक्तिबोध की काव्य चेतना,हुकुमचंद राजपाल,वाणी प्रकाशन,दिल्ली|
14. मुक्तिबोध ज्ञान और संवेदना:नंदकिशोर नवल,राजकिशोर प्रकाशन,नई दिल्ली|
15. अज्ञेय की काव्य तितीषा, नंदकिशोर आचार्य वाग्यदेवी प्रकाशन,बीकानेर|
16. वाक्-संदर्श,हरमोहन लाल सूद,पीयूष प्रकाशन,दिल्ली|
17. धूमिल और उसका काव्य-संघर्ष, ब्रह्मदेव मिश्र,लोकभारती,इलाहाबाद।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-IV)
Session 2022 - 23

Course Code: MHIL - 4262

आधुनिक गद्य साहित्य

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: यह प्रश्नपत्र साहित्य की विविध विधाओं से परिचित कराता है । यह निबंध, नाटक एवं आत्मकथा साहित्य की त्रिवेणी है जिसमे स्नात होकर विद्यार्थी अपने ज्ञान को सम्पुष्ट करता है |

CO-2: विभिन्न निबंधकारों के निबंधों में साहित्यिकता, व्यंग्य, संस्कृति एवं सभ्यता का पुट मिलता है |

CO-3: 'आधे–अधूरे' के माध्यम से न केवल मोहन राकेश अपितु उनकी नाट्य दृष्टि, रंगमंचीयता एवं जीवन के आधे – अधूरेपन की त्रासदी से विद्यार्थी परिचित होंगे इस कृति के माध्यम से वे नाटककार के दृष्टिकोण से भी परिचित होंगे |

CO-4: आत्मकथा – 'सत्य के प्रयोग' के माध्यम से विद्यार्थियों को राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के जीवन के सूक्ष्म दर्शन होंगे और साथ ही राष्ट्र के लिए गाँधी द्वारा किये गए प्रयासों एवं उनके त्याग से वे रूबरू होंगे |

CO-5: तीनों विधाएं विद्यार्थियों के लिए साहित्य के मार्ग पर अग्रसर होने के लिए उनके आधारभूमि तैयार करती हैं |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-IV)

Session 2022 -23

Course Code: MHIL - 4262

आधुनिक गद्य साहित्य

Total: 80
CA: 16
TH: 64

समय: तीन घंटे

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश :

यह प्रश्न पत्र पांच भागों में विभाजित है | प्रथम भाग अनिवार्य है | इसमें चार- चार अंकों के छः प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें चार का उत्तर देना अनिवार्य होगा | प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों/दो पृष्ठों में देना होगा | भाग दो , तीन, चार , पांच में समानुपात से क्रमशः इकाई दो, तीन, चार में से 12-12 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे । प्रत्येक भाग में से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा | प्रत्येक उत्तर 1000 शब्दों / पांच पृष्ठों में देना होगा |

व्याख्या एवं विवेचन के लिए निर्धारित कृतियाँ :

1. निबंध विविधा, सम्पादक हरमोहन लाल सूद, वागीश प्रकाशन, जालंधर।

2. आधे अधूरे, मोहन राकेश, राधाकृषण प्रकाशन, दिल्ली ।

3. मेरी आत्मकथा, गाँधी, सस्ता साहित्य मंडल, दिल्ली ।

इकाई –एक

1. निबंध विविधा –निर्धारित निबंध-कवियों की उर्मिला विषयक उदासीनता, अशोक के फूल, गेहूं बनाम गुलाब, सौन्दर्य की उपयोगिता, मेरे राम का मुकुट भीग रहा है, पगडंडियों का ज़माना ।
2. आधे अधूरे
3. मेरी आत्मकथा –पहले तीन भाग (केवल)

इकाई –दो

अध्ययन के लिए निर्धारित निबंध – (निबंध विविधा, हरिमोहन लाल सूद) - कवियों की उर्मिला विषयक उदासीनता, अशोक के फूल, गेहूं बनाम गुलाब, सौन्दर्य की उपयोगिता, मेरे राम का मुकुट भीग रहा है, पगडंडियों का ज़माना

निबंध विधा-स्वरूप और वैशिष्ट्य, हिंदी निबंध- विकास यात्रा
कवियों की उर्मिला विषयक उदासीनता-उपेक्षित पात्रों का सरोकार
अशोक के फूल-भारतीय संस्कृति, इतिहास और जीवन की गाथा
गेहूं बनाम गुलाब- मानव जाति का अभिप्रेत लक्ष्य
सौन्दर्य की उपयोगिता-साहित्य , सौन्दर्य और कला के अंत:संबंधों का प्रश्न

मेरे राम का मुकुट भीग रहा है-प्रतिपाद्य
पगडंडियों का ज़माना-आधुनिक युग का सटीक व्यंग्य
पाठ्यक्रम में निर्धारित किसी एक निबंध की विशेषताएं

इकाई –तीन

- (आधे अधूरे, मोहन राकेश)

नाटक-विधागत वैशिष्ट्य, हिंदी नाटक : विकास यात्रा
आधे अधूरे : मध्यवर्गीय परिवार की त्रासदी
आधे अधूरे के विविध आयाम, विचारधारा तथा कथ्य चेतना , भाषागत उपलब्धियां।
नाटक और रंगमंच का रिश्ता –मोहन राकेश की दृष्टि और आधे अधूरे का आधार ।
मोहन राकेश की नाट्य भाषा ।
आधे अधूरे : नए नाट्य प्रयोग का संदर्भ ।

इकाई –चार

- (मेरी आत्मकथा : महात्मा गाँधी)

आत्मकथा : स्वरूप तथा प्रकार , आत्मकथा के आधार पर मेरी आत्मकथा का मूल्यांकन, मेरी आत्मकथा के संदर्भ में गाँधी जी का व्यक्तित्व विश्लेषण ।

सहायक पुस्तकें :

1. हिंदी लेखक कोश, प्रकाशन गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर ।
2. जगदीश शर्मा, मोहन राकेश के नाटकों की रंग सृष्टि, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
3. गोबिंद चातक, आधुनिक नाटक का मसीहा: मोहन राकेश, इन्द्रप्रस्थ , दिल्ली।
4. गिरीश रस्तोगी, मोहन राकेश के नाटक, लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद।
5. सूर्य नारायण रणसुभे , कहानीकार कमलेश्वर : संदर्भ और प्रकृति, पंचशील, जयपुर।
6. मधुकर सिंह, कमलेश्वर , शब्द्कार, दिल्ली।
7. अकाल पुरुष गाँधी, जैनेन्द्र , पूर्वोदय प्रकाशन, दिल्ली।
8. गाँधी और उनके आलोचक, बलराम नंदा, सारंग प्रकाशन, दिल्ली।
9. गाँधी दर्शन और विचार, हरमहेन्द्र सिंह बेदी, गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-IV)

Session 2022 - 23

Course Code: MHIL – 4263

हिंदी भाषा और देवनागरी लिपि

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: हिंदी भाषा के उद्भव और विकास के साथ – साथ हिंदी की विभिन्न बोलियों/विभाषाओं का ज्ञान ।

CO-2: हिंदी की व्याकरणिक कोटियों के अध्ययन से भाषा के व्याकरणिक आधार को समझने की योग्यता का विकास ।

CO-3: हिंदी की शब्द सम्पदा के अन्तर्गत तत्सम, तद्भव, तद्भव, देशज, विदेशी शब्दों- अरबी, फारसी, उर्दू, अंग्रेजी के शब्दों के परिचय से हिंदी की भाषायी क्षमता एवं आत्मसातीकरण की प्रवृत्ति का बोध ।

CO-4: देवनागरी लिपि की विशेषताओं और हिंदी भाषा के मानक रूप का ज्ञान ।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-IV)
Session 2022-23

Course Code: MHIL-4263

हिंदी भाषा और देवनागरी लिपि

Total: 80
CA: 16
TH: 64

समय: तीन घंटे

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश:

यह प्रश्न पत्र पांच भागों में विभाजित है |प्रथम भाग अनिवार्य है इसमें इकाई एक में से चार-चार अंकों के छ : प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से चार प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा | प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों/दो पृष्ठों में देना होगा | भाग दो , तीन, चार , पांच में समानुपात से क्रमश: इकाई दो, तीन, चार में से 12-12 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा |प्रत्येक उत्तर 1000 शब्दों / पांच पृष्ठों में देना होगा |

इकाई –एक

अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र -
हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि : प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ-वैदिक तथा लौकिक संस्कृत का परिचय,
मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ-पालि, प्राकृत, शौरसैनी , मागधी , अपभ्रंश का परिचय ।

इकाई –दो

आधुनिक भारतीय आर्य भाषाओं का वर्गीकरण - (**ग्रियर्सन एवं चैटर्जी के अनुसार**)
हिंदी भाषा का उद्भव और विकास :सामान्य परिचय ।

इकाई –तीन

हिंदी का भौगोलिक विस्तार, हिंदी की बोलियाँ –स्वरूपगत संक्षिप्त परिचय ।
हिंदी का भाषिक स्वरूप:हिंदी शब्द रचना : उपसर्ग , प्रत्यय , समास ।
हिंदी की व्याकरणिक कोटियाँ – लिंग, वचन , कारक, पुरुष , वाच्य।
हिंदी वाक्य रचना:पदक्रम और अन्विति।

इकाई –चार

भारत की प्रमुख लिपियों का परिचय , देवनागरी लिपि का स्वरूप, विशेषताएं एवं सीमाएं, संशोधन के लिए प्रस्तावित प्रस्ताव ।

सहायक पुस्तकें:

1. भोलानाथ तिवारी , हिंदी भाषा की शब्द सरंचना , साहित्य सहकार , दिल्ली ।
2. भोलानाथ तिवारी , हिंदी भाषा की सरंचना , वाणी प्रकाशन , दिल्ली।
3. डॉ. धीरेन्द्र वर्मा , हिंदी भाषा का इतिहास , हिन्दुस्तानी अकादमी , इलाहबाद ।
4 .डॉ. जाल्मन दीमान्श्त्श , व्याहारिक हिंदी व्याकरण , राजपाल एंड संज , कश्मीरी गेट , दिल्ली।
5. हरदेव बाहरी, हिंदी : उद्भव , विकास और रूप, किताब महल , इलाहाबाद ।
6. देवेन्द्र नाथ शर्मा तथा रामदेव त्रिपाठी , हिंदी भाषा का विकास , राधाकृषण प्रकाशन , नई दिल्ली ।
7. डॉ. भोलानाथ तिवारी , हिंदी भाषा , किताब महल , इलाहाबाद ।
8. नरेश मिश्र , नागरी लिपि , निर्मल प्रकाशन, दिल्ली ।
9. डॉ. हरिमोहन , हिंदी भाषा और कंप्यूटर , तक्षशिला प्रकाशन , नई दिल्ली ।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-IV)

Session 2022–23

Course Code: MHIL-4264

राजभाषा प्रशिक्षण

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: बहुभाषी देश भारत में सम्पर्क भाषा के रूप में हिंदी के महत्व का बोध|

CO-2: कार्यालयी एवं प्रशासनिक भाषा के रूप में हिंदी की प्रकृति का ज्ञान ।

CO-3: बतौर राजभाषा हिंदी के उद्भव और विकास का परिचय ।

CO-4: राजभाषा हिंदी के विकास के लिए विभिन्न संस्थाओं, केंद्र एवं राज्य सरकारों के विभिन्न मंत्रालयों के द्वारा किये जा रहे प्रयत्नों की जानकारी ।

CO-5: भूमण्डलीकरण के परिप्रेक्ष्य में वैश्विक स्तर पर हिंदी के सामर्थ्य एवं भविष्य की जानकारी ।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-IV)

Session 2022-23

Course Code: MHIL-4264

राजभाषा प्रशिक्षण

Total: 80
CA: 16
समय: तीन घंटे TH: 64

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश :

यह प्रश्न पत्र पांच भागों में विभाजित है | प्रथम भाग अनिवार्य है | इसमें चार-चार अंकों के छ : प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से चार प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा | प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों/दो पृष्ठों में देना होगा | भाग दो , तीन, चार , पांच में समानुपात से क्रमश: इकाई एक ,दो, तीन, चार में से 12-12 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा | प्रत्येक उत्तर 1000 शब्दों / पांच पृष्ठों में देना होगा |

इकाई –एक

अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र-

प्रशासन -व्यवस्था और भाषा , भाषा की बहुभाषीयता और एक सम्पर्क भाषा की आवश्यकता ।
राज भाषा (कार्यालयी हिंदी) की प्रकृति , राजभाषा विषयक स्वधानिक प्रावधान ।
राजभाषा अधिनियम (अनुच्छेद 343 से 351 तक)
राष्ट्रपति के आदेश (1952ए, 1955 ए, 1960)

इकाई –दो

राजभाषा अधिनियम1963 , (यथा संशोधित 1967)
राजभाषा संकल्प (1968) , यथानुमोदित (1961)
राजभाषा नियम1976 द्विभाषी नीति और त्रिभाषा सूत्र
हिंदीतर राज्यों के प्रशासनिक क्षेत्रों में हिंदी की स्थिति
अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदी
हिंदी के प्रचार प्रसार में विभिन्न हिंदी संस्थाओं की भूमिका
हिंदी और देवनागरी लिपि के मानकीकरण की समस्या

इकाई –तीन

राजभाषा का अनुप्रयोगात्मक पक्ष : हिंदी , आलेखन, टिप्पण , संक्षेपण तथा पत्राचार ।
कार्यालय अभिलेखों के हिंदी अनुवाद की समस्या
हिंदी कंप्यूटरीकरण
हिंदी संकेताक्षर और कूट निर्माण
हिंदी में वैज्ञानिक और तकनीकी परिभाषिक शब्दावली

इकाई –चार

केंद्र एवं राज्य शासन के विभिन्न मंत्रालयों में हिंदीकरण की प्रगति
बैंकिंग , बीमा औरअन्य वाणिज्यिक क्षेत्रों में हिंदी अनुप्रयोग की स्थिति
विविध क्षेत्रों में हिंदी
सूचना प्रौद्योगिकी (संचार माध्यमों) के परिप्रेक्ष्य में हिंदी और देवनागरी लिपि
भूमंडलीकरण के परिप्रेक्ष्य में हिंदी का भविष्य|

सहायक पुस्तकें:

1. हरिबाबू जगन्नाथ, संघ की भाषा, केन्द्रीय सचिवालय, हिंदी परिषद् नई दिल्ली ।
2. राजभाषा अधिनियम, अखिल भारतीय संस्था संघ, नई दिल्ली ।
3. डॉ. भोलानाथ तिवारी, अखिल भारतीय हिंदी संस्था संघ, नई दिल्ली ।
4. मालिक मुहम्मद, राजभाषा हिन्दी : विकास के विविध आयाम, राजपाल एंड संस, दिल्ली।
5. शेरबहादुर झा. संविधान में हिंदी तथा संविधान में राजभाषा सम्बन्धी अनुच्छेद तथा धाराएं, हिन्दी का सामाजिक संदर्भ ।
6. संपा. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, डॉ. रामनाथ सहाय, हिंदी का सामाजिक संदर्भ, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा ।
7. डॉ. कृष्ण कुमार गोस्वामी, संविधान में हिंदी प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिंदी, दिल्ली ।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-IV)

Session 2022 -23

Course Code: MHIL - 4265

उत्तर काव्यधारा के संदर्भ में गुरु तेग बहादुर जी की वाणी का सांस्कृतिक अध्ययन

विकल्प–एक

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: गुरु काव्य परम्परा में गुरु तेग बहादुर जी के योगदान का परिचय।

CO-2: गुरु तेगबहादुर जी के काव्य के दार्शनिक चिन्तन के व्याख्यात्मक पक्ष की अनुभूति।

CO-3: गुरु तेगबहादुर जी की वाणी के सांस्कृतिक पक्ष के दर्शन।

CO-4: गुरु तेगबहादुर जी की वाणी में अद्वैत दर्शन।

CO-5: वाणी के माध्यम से गुरु काव्य परम्परा एवं आदि ग्रंथ के समन्वयात्मक संदेश से साक्षात्कार।

CO-6: वाणी के माध्यम से तत्कालीन सन्दर्भों का सूक्ष्म अध्ययन।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-IV)

Session 2022 - 23

Course Code: MHIL - 4265

विकल्प–**एक**

उत्तर काव्यधारा के संदर्भ में गुरु तेग बहादुर जी की वाणी का विशेष अध्ययन

Total: 80

CA: 16

समय: तीन घंटे TH: 64

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश:

यह प्रश्न पत्र पांच भागों में विभाजित है | प्रथम भाग अनिवार्य है जो सप्रसंग व्याख्या से सम्बन्धित है | इसमें चार- चार अंकों के छः प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें चार का उत्तर देना अनिवार्य होगा | प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों/दो पृष्ठों में देना होगा | भाग दो , तीन, चार , पांच में समानुपात से क्रमशः इकाई दो, तीन, चार में से 12-12 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा | प्रत्येक उत्तर 1000 शब्दों / पांच पृष्ठों में देना होगा |

निर्धारित पुस्तक – वाणी गुरु तेग बहादुर जी, प्रकाशक :शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी, अमृतसर |

व्याख्या हेतु निर्धारित पुस्तक –वाणी गुरु तेग बहादुर जी

इकाई –एक

व्याख्या हेतु निर्धारित पुस्तक –वाणी गुरु तेग बहादुर जी

इकाई –दो

गुरु तेग बहादुर :व्यक्तित्व और कृतित्व
गुरु काव्यधारा :परम्परा और विकास
हिंदी साहित्य में गुरु तेग बहादुर का स्थान
गुरु तेग बहादुर की वाणी की मूल संवेदना
गुरु तेग बहादुर की वाणी का काव्य दर्शन

इकाई- तीन

गुरु तेग बहादुर जी की वाणी में गुरमत दर्शन का संकल्प
गुरु तेग बहादुर जी की वाणी के समाजशास्त्रीय आयाम
गुरु तेग बहादुर जी की वाणी और भारतीय संस्कृति
गुरु तेग बहादुर जी की वाणी में पौराणिक संदर्भ

इकाई –चार

गुरु तेग बहादुर जी की वाणी का सांस्कृतिक अध्ययन
गुरु तेग बहादुर जी क वाणी का परवर्ती पंजाब के हिंदी साहित्य पर प्रभाव

गुरु तेग बहादुर जी की वाणी की राग योजना
गुरु तेग बहादुर जी की वाणी की प्रगितिशीलता

सहायक पुस्तकें:

1. नवम गुरु पर बारह निबंध , संपा. रमेश कुंतल मेघ , गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर ।
2. गुरु तेग बहादुर : जीवन और आदर्श, डॉ. महीप सिंह, रूप प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. जीवन तथा वाणी गुरु तेग बहादुर, भाषा विभाग पंजाब, पटियाला ।
4. नौ निध, संपा प्रो. प्रीतम सिंह, गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर ।
5. गुरु तेग बहादुर जी डा दार्शनिक चिन्तन, कृष्ण गोपाल दास, रूप प्रकाशन, नई दिल्ली।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-IV)

Session 2022 - 23

Course Code: MHIL - 4265

हिंदी उपन्यास

विकल्प–दो

Total: 80
CA: 16
TH: 64

समय: तीन घंटे

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश:

यह प्रश्न पत्र पांच भागों में विभाजित है | प्रथम भाग अनिवार्य है जो सप्रसंग व्याख्या से सम्बन्धित है | इसमें चार- चार अंकों के छ: प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें चार का उत्तर देना अनिवार्य होगा | प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों/दो पृष्ठों में देना होगा | भाग दो , तीन, चार , पांच में समानुपात से क्रमश: इकाई दो, तीन, चार में से 12-12 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा | प्रत्येक उत्तर 1000 शब्दों /पांच पृष्ठों में देना होगा |

इकाई –एक

व्याख्या के लिए निर्धारित कृतियां-

1.'बाणभट्ट की आत्मकथा', आचार्य हज़ारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली ।
2. 'बूँद और समुद्र', अमृत लाल नागर, किताब महल, इलाहाबाद।
3.'धरती धन न अपना' ,जगदीश चन्द्र , राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

इकाई –दो

उपन्यासकार हज़ारी प्रसाद द्विवेदी : सामान्य परिचय
बाणभट्ट की आत्मकथा की नारी भावना
बाणभट्ट की आत्मकथा : मूल्य चेतना
बाणभट्ट की आत्मकथा – प्रमुख चरित्र –बाणभट्ट, निपुणिका, भट्टिनी ।

इकाई- तीन

-उपन्यासकार अमृतलाल नागर : सामान्य परिचय
बूँद और समुद्र की सामाजिक चेतना
बूँद और समुद्र की भाषा शैली
बूँद और समुद्र का सांस्कृतिक अध्ययन
बूँद और समुद्र की कथ्यगत उपलब्धियां

इकाई –चार

उपन्यासकार जगदीश चन्द्र : सामान्य परिचय
'धरती धन न अपना' में जगदीश चन्द्र का जीवन दर्शन
'धरती धन न अपना' में पंजाब का सामाजिक तथा सांस्कृतिक परिवेश
धरती धन न अपना : कथ्य तथा समस्याएँ
'धरती धन न अपना' का कलात्मक पक्ष

सहायक पुस्तकें:

1. आज का हिंदी उपन्यास , इन्द्रनाथ मदान , राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली ।

2. हिंदी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा , रामदरश मिश्र , राजकमल प्रकाशन , दिल्ली।

3. आधुनिकता के संदर्भ में आज का हिंदी उपन्यास, अतुलवीर अरोड़ा पब्लिकेशन ब्यूरो, पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ ।

4. जगदीश चन्द्र की उपन्यास यात्रा , डॉ सुधा जितेन्द्र , संजय प्रकाशन, नई दिल्ली ।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-IV)
Session 2022-23
Course Code: MHIL- 4266
निबंधकार आचार्य रामचंद्र शुक्ल
विकल्प–तीन

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: चिंतामणि भाग एक दो तीन के सभी निबंधों को पढकर विद्यार्थी शुक्ल जी की दृष्टि से परिचित होंगे|

CO-2: इकाई दो के माध्यम से विद्यार्थी शुक्ल जी से पूर्व निबंध साहित्य के स्वरूप के विषय में जान सकेंगे और शुक्ल जी के दृष्टिकोण से भी ज्ञान प्राप्त करेंगे |आधुनिक काल में हिंदी साहित्य में निबन्ध विधा की क्या स्थिति है,इसके विषय में भी जानकारी प्राप्त कर सकेंगे |

CO-3: इस इकाई में निबंधों का सर्वेक्षण करते हुए निबंधों की कोटियों का सर्वेक्षण किया जाएगा| विद्यार्थी शुक्ल जी के निबन्धों की मूल्य-दृष्टि,उनके वैशिष्ट्य तथा उनके सभी प्रकार के निबंधों की विशेषताओं से लाभान्वित होंगे |

CO-4: इस इकाई के द्वारा विद्यार्थी यह जानने में समर्थ होंगे कि शुक्ल जी पर अपने पूर्ववर्ती निबंधकारों का क्या प्रभाव पड़ा और परवर्ती निबंधकार उनसे कैसे प्रभावित हुए |विद्यार्थी शुक्ल जी के निबंधों की भाषा,शैली की जानकारी भी प्राप्त कर सकेंगे | इस प्रकार से उनके निबंधों की समीक्षा भी की जाएगी |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-IV)
Session 2022-23
Course Code: MHIL- 4265
निबंधकार आचार्य रामचंद्र शुक्ल
विकल्प-तीन

Total: 80
CA: 16
समय: तीन घंटे TH: 64

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश :

यह प्रश्न पत्र पांच भागों में विभाजित है| प्रथम भाग अनिवार्य है जो सप्रसंग व्याख्या से सम्बन्धित है| इसमें चार- चार अंकों के छ: प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें चार का उत्तर देना अनिवार्य होगा| प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों/दो पृष्ठों में देना होगा| भाग दो , तीन, चार , पांच में समानुपात से क्रमश: इकाई दो, तीन, चार में से 12-12 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा| प्रत्येक उत्तर 1000 शब्दों /पांच पृष्ठों में देना होगा|

इकाई –एक

व्याख्या के लिए निर्धारित कृतियां-
1.चिंतामणि , भाग एक :इंडियन प्रेस , इलाहाबाद (सभी निबंध व्यख्यार्थ निर्धारित हैं)
2.चिंतामणि , भाग दो :सरस्वती मंदिर , वाराणसी (व्यख्यार्थ निबंध: काव्य में अभिव्यंजनावाद)
3.चिंतामणि , भाग तीन :नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली (व्यख्यार्थ अनूदित निबंधों को छोडकर शेष सभी निबंध)

इकाई –दो

1.हिंदी साहित्य और निबंध विधा: विशेषतया आधुनिक काल
2.आचार्य शुक्ल से पूर्व हिंदी निबंध साहित्य :भारतेंदु युग , द्विवेदी युग
3.आचार्य शुक्ल और निबंध विधा :स्थान एवं महत्व

इकाई- तीन

1.शुक्ल जी का निबंध साहित्य :वर्गीकरण तथा सर्वेक्षण
2.आचार्य शुक्ल की मूल्य –दृष्टि
3.आचार्य शुक्ल के निबंध – लेखन का वैशिष्ट्य
4.शुक्ल जी के सैध्दान्तिक, व्यावहारिक तथा अन्य निबंधो की विशेषताएं ।

इकाई –चार

1. आचार्य शुक्ल पर पूर्ववर्ती निबंधकारों का प्रभाव और शुक्ल जी की परवर्ती निबंध परम्परा ।
2. आचार्य शुक्ल का निबंध शिल्प भाषा, शैली, शब्द सरंचना , विभिन्न भाषाओं की शब्दावली का प्रयोग ।

3. पाठ्यक्रम में निर्धारित महत्वपूर्ण निबंधों की समीक्षा ।

सहायक पुस्तकें :

1. आचार्य रामचंद्र शुक्ल और उनका साहित्य जय चन्द्र राय, भारतीय साहित्य मंदिर , दिल्ली|
2. आचार्य रामचंद्र विचार – कोश , सम्पादक अजित्त कुमार , नेशनल पब्लिशिंग हाउस , दिल्ली |
3. निबंधकार रामचंद्र शुक्ल, राम लाल सिंह , साहित्य सहयोग ,इलाहाबाद |
4. आचार्य शुक्ल कोश, रामचंद्र तिवारी , विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी |
5. आचार्य रामचंद्र शुक्ल के बहुमुखी कृतित्व का सर्वांगीन विवेचन , संपा - शशिभूषण सिंहल ,ऋषभचरण जैन , दिल्ली|
6. रामचंद्र शुक्ल व्यक्तित्व और साहित्य दृष्टि, संपा. विद्याधर , प्रभा प्रकाशन, इलाहाबाद|
7. . आचार्य रामचंद्र के प्रतिनिधि निबंध ,पांडेय सुधाकर , राधाकृष्ण प्रकाशन , दिल्ली|
8. आचार्य रामचंद्र : रचना और दृष्टि , संपा. विवेकी राय तथा वेद प्रकाश , महेसाना, गिरनार |
9. आचार्य रामचंद्र:संदर्भ और दृष्टि, जगदीश नारायण पंकज ,भवदीय प्रकाशन ,अयोध्या |
10. आचार्य रामचंद्र शुक्ल: निबंधकार , आलोचक और रस मीमांसक , जयनाथ नलिन ,साहित्य संस्थान, दिल्ली |
11. आचार्य रामचंद्र शुक्लऔर उनका साहित्य, जयचंद्र राय, भारतीय साहित्य मंदिर, दिल्ली|
12. आचार्य रामचंद्र शुक्ल और चिंतामणि का आलोचानात्मक अध्ययन , राजनाथ शर्मा, विनोद पुस्तक मंदिर , आगरा |
13. आचार्य रामचंद्र शुक्ल का गद्य साहित्य, अशोक सिंह , लोकभारती, इलाहाबाद ।